समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 28 September 2026

कानपुर से ओमान तक : विनायक शुक्ला – डेटा ऑपरेटर से क्रिकेट कोचिंग तक की प्रेरणादायक यात्रा

Publisher

Published on 19 Sep 2025

कानपुर के विनायक शुक्ला की कहानी एक प्रेरणा है, जो यह दर्शाती है कि संघर्ष और समर्पण से कोई भी सपना साकार हो सकता है। एक समय में डेटा ऑपरेटर के रूप में कार्यरत शुक्ला ने ओमान क्रिकेट टीम के कोच बनने तक का सफर तय किया। उनका यह सफर न केवल उनके व्यक्तिगत प्रयासों का परिणाम है, बल्कि भारतीय क्रिकेट के दो महान खिलाड़ियों – एमएस धोनी और कुलदीप यादव – से मिली प्रेरणा का भी परिणाम है।

प्रारंभिक जीवन और क्रिकेट के प्रति प्रेम

विनायक शुक्ला का जन्म कानपुर में हुआ। बचपन से ही उन्हें क्रिकेट का शौक था, और उन्होंने स्थानीय स्तर पर कई मैचों में भाग लिया। उनका मानना था कि क्रिकेट केवल एक खेल नहीं, बल्कि जीवन जीने का तरीका है। इस दृष्टिकोण ने उन्हें खेल के प्रति गहरी समझ और प्रेम दिया।

एमएस धोनी से प्रेरणा

विनायक शुक्ला ने एमएस धोनी को अपना आदर्श और "गुरु" माना है। धोनी की शांतचित्तता, निर्णय क्षमता और खेल के प्रति समर्पण ने शुक्ला को प्रभावित किया। उन्होंने धोनी की शैली को अपनाते हुए क्रिकेट के तकनीकी और मानसिक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया।

कुलदीप यादव से मित्रता और मार्गदर्शन

कुलदीप यादव, जो कानपुर के ही निवासी हैं, शुक्ला के बचपन के मित्र रहे हैं। यादव की सफलता और संघर्ष ने शुक्ला को प्रेरित किया। यादव से मिली मार्गदर्शन ने शुक्ला को क्रिकेट कोचिंग के क्षेत्र में कदम रखने की प्रेरणा दी।

ओमान मे कोचिंग की शुरुआत

भारत में क्रिकेट कोचिंग के अवसर सीमित होने के कारण, शुक्ला ने ओमान में कोचिंग की शुरुआत की। ओमान क्रिकेट टीम में भारतीय और पाकिस्तानी खिलाड़ियों का मिश्रण है, और शुक्ला ने विभिन्न संस्कृतियों के खिलाड़ियों के साथ काम किया। उनका मानना है कि क्रिकेट एक वैश्विक भाषा है, जो सभी को जोड़ती है।

ओमान क्रिकेट टीम मे योगदान

शुक्ला ने ओमान क्रिकेट टीम के साथ कई महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों में भाग लिया। उनकी कोचिंग में टीम ने कई मैचों में सफलता प्राप्त की। विशेष रूप से, ओमान ने पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप में भाग लिया, जहाँ शुक्ला ने विकेटकीपर के रूप में टीम का नेतृत्व किया। उनका यह योगदान ओमान क्रिकेट के इतिहास में महत्वपूर्ण माना जाता है।

विनायक शुक्ला की कहानी यह दर्शाती है कि यदि आत्मविश्वास और समर्पण हो, तो कोई भी सपना साकार हो सकता है। उन्होंने भारतीय क्रिकेट के दो महान खिलाड़ियों से मिली प्रेरणा को अपने जीवन में उतारते हुए ओमान क्रिकेट टीम में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका यह सफर न केवल उनके व्यक्तिगत प्रयासों का परिणाम है, बल्कि यह भारतीय क्रिकेट के वैश्विक प्रभाव का भी प्रतीक है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.